Roll No. .....

E–3433

M. A. (Previous) EXAMINATION, 2021

HINDI

Paper Second

(प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य)

Time : Three Hours] [*Maximum Marks : 100*

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. निम्नलिखित पद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 30

(क) करहै बाल सुनि हंस। कवन हम पुब्ज जम्म कह॥

कवन पत्ति हम लहंहिं। लेष विच्चार लहो इह॥

तबै हंस उच्चरयौ। सुनहि शशिवृत्ता नारी॥

चित्ररेष अपछरि। संगीन अति रूप धरारी॥

निहि गरब इन्द्र सम कलह कधि। क्रोधि देव बड़ी सुरम्॥

दच्छित नरेस नाँप तान बन्धु। पुंज ग्रहै अवतार तुम॥

अथवा

बदन चाँद तोर नयन चकोर मोर रूप अमिय-रस पीवे।

अधर मधुर फुल पिया मधुकर तुल बिनु मधु कत खन जीवे॥

माननि मन तोर गढ़ल पसाने कके न रभसे हसि किछु न उतरि देसि।

P. T. O.

सुखे जाओ निसि अवसाने परमुखे न सुजसि निय मने न गुनसि॥

न बुझसि लड़लड़ी बानी अपन-अपन काज कहइत अधिक लाज।

अरथित आदर हानी कवि भन विद्यापति अरे रे सुनु जुवति॥

नहे नूतन भले माने लखिया देई पति सिवसिंध नरपति।

रूपनारायन जाने॥

(ख) चकवी बिछुटी रैणि की, आइ मिली परभाति।

जे जन बिछुरे राम सूँ, ते दिन मिले न राति॥

बहुत दिनन की जोवती, बाट तुम्हारी राम।

जिव तरसै तुझ मिलन कूँ, मति नाहीं विश्राम॥

अथवा

ऊधौ मन नाहीं दस बीस।

एक हुतो सो गयो हरि स्याम संग, को आराधै ईस।

भई अति सिथिल सबै माधव बिनु जथा देह बिन सीस।

स्वासा अटकि रहै आसा लगि जोवहिं कोटि बरीस॥

तुम तौ सखा श्यामसुन्दर के सकल जोग के ईस।

सूरदास रसिक की बतियाँ पुरवौ मन जगदीस॥

(ग) हरिजन जानि प्रीति अति गाढ़ी। सजल नयन पुलकावलि बाढ़ी॥

बूढ़त विरह जलधि हनुमाना। भयहु तात मो कहुँ जलजाना॥

अब कछु कुसल जाऊँ बलिहारी। अनुज सहित सुख भवन खरारी॥

कोमलचित कृपाल रघुराई। कपि केहि हेतु धरी निठुराई॥

सहज बानि सेवक सुखदायक। कबहुँक सुरति करत रघुनायक॥

कबहुँ नयन मन सीतल ताता। होइहहिं निरखि स्याम मृदु गाता॥

अथवा

कहत, नटत, रीझत, खिझत, मिलत, खिलत, लजियात।
भरे भौन में करत हैं, नैननु हीं सब बात॥

मंगलु बिंदु सुरंग, मुख ससि, केसरि आड़ गुरु।
इक नारी लहि संगु, रसमय किय लोचन-जगत॥

जुवति जोन्ह मैं मिलि गई, नैक न होति लखाइ।
सौंधे के डोरे लगीं, अली चली सँग जाइ॥

2. 'पृथ्वीराज रासो' की भावगत एवं कलागत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। 15

अथवा

गीतिकाव्य परम्परा के आधार पर विद्यापति के काव्य की विवेचना कीजिए।

अथवा

"रहस्यवादी कवियों में कबीर का स्थान सबसे ऊँचा है।" स्पष्ट कीजिए।

3. "सूरदास ने विरह-वर्णन में मर्मज्ञता और सूक्ष्म दृष्टि का परिचय दिया है।" 'भ्रमरगीत सार' के साक्ष्य पर इस कथन को प्रमाणित कीजिए। 15

अथवा

'तुलसी का समस्त काव्य समन्वय की विराट चेष्टा है।' उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए।

अथवा

"बिहारी ने अपने दोहों में गागर में सागर भर दिया है।" इस कथन की सार्थकता प्रमाणित कीजिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच पर टिप्पणियाँ लिखिए : प्रत्येक 4

(i) भूषण की कविता में देश-प्रेम

(ii) रहीम के काव्य में नीति और भक्ति चित्रण

(iii) केशव 'कठिन काव्य के प्रेत' हैं

(iv) रसखान का साहित्यिक परिचय

(v) देव और उनका श्रृंगार वर्णन

(vi) मीरा की माधुर्य भक्ति

(vii) दादू की कविता का रचना विधान

5. निम्नलिखित में से किन्हीं बीस के संक्षिप्त उत्तर दीजिए : प्रत्येक 1

(i) समन्वयवादी रचनाकार कौन है ?

(ii) बिहारी के आश्रयदाता का नाम लिखिए।

(iii) 'रसिकप्रिया' किसकी रचना है ?

(iv) 'पृथ्वीराज रासो' की मुख्य नायिका का नाम लिखिए।

(v) सूरदास के गुरु का नाम लिखिए।

(vi) 'नरसीजी का मायरा' किसकी रचना है ?

(vii) रहीम के पिता का नाम क्या था ?

(viii) वात्सल्य सम्राट किस कवि को कहते हैं ?

(ix) 'रामचन्द्रिका' किसकी रचना है ?

(x) रहीम किस काल के कवि हैं ?

(xi) 'पद्मावत' की भाषा क्या है ?

(xii) कवि पद्माकर किस स्थान के रहने वाले थे ?

(xiii) 'रास पंचाध्यायी' के रचनाकार का क्या नाम है ?

(xiv) हिन्दी साहित्य में किस काल को 'स्वर्णयुग' कहा जाता है ?

(xv) तुलसीदासजी के बचपन का नाम क्या था ?

(xvi) किस शासक ने रहीम को नवरत्नों में स्थान दिया है ?

(xvii) दादू किस काव्यधारा के कवि थे ?

(xviii) तुलसीदास के गुरु का नाम लिखिए।

(xix) घनानन्द किस काव्यधारा के कवि थे ?

(xx) 'बीसलदेव रासो' किसकी रचना है ?

(xxi) मीरा के काव्य की भाषा कौन-सी है ?

(xxii) 'प्रेम के पीर' के नाम से किस कवि को संबोधित किया जाता है ?

(xxiii) ज्ञानाश्रयी शाखा के प्रमुख कवि का नाम लिखिए।

(xxiv) भूषण के पहले ग्रंथ का नाम बताइये।

(xxv) 'पुष्टिमार्ग का जहाज' किस कवि को कहा जाता है ?